जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

12 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'नीतिगत परिप्रेक्ष्य के आलोक में शिक्षक शिक्षा को अग्रसर करना' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आज 'नीतिगत परिप्रेक्ष्य के आलोक में शिक्षक शिक्षा को अग्रसर करना' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। यह सम्मेलन 12 और 13 फरवरी, 2025 को जामिया के शिक्षा संकाय के शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षक शिक्षा में नीति, अभ्यास और अनुसंधान के परस्पर प्रभाव की जांच करने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ढांचे के अंदर शिक्षक शिक्षा के उभरते प्रतिमानों का विश्लेषण करने के लिए शोधकर्ताओं, प्रैक्टिसनरों और नीति निर्माताओं को शामिल करना है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की औपचारिक शुरुआत शैक्षिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष और सम्मेलन के संयोजक प्रो. कौशल किशोर के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया और सम्मेलन के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

पूर्व विभागाध्यक्ष और सम्मेलन की संयोजक प्रो. हरजीत कौर भाटिया ने सम्मेलन के बारे में जानकारी दी, जिसमें इसके विषय, उद्देश्य और अपेक्षित परिणाम शामिल थे। शिक्षा संकाय की डीन प्रो. सारा बेगम ने सम्मेलन के बारे में अपने विचार साझा किए और इसकी शानदार सफलता की कामना की।

बीज वक्तव्य एनआईईपीए, नई दिल्ली के प्रो. कुमार सुरेश ने दिया, जिन्होंने शिक्षा प्रणाली, खास तौर से शिक्षक शिक्षा के सुधार के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने मुख्य रूप से बहु-विषयक, लचीलापन, शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा और तकनीकी उन्नति की विशेषता वाली शिक्षा में प्रतिमान बदलाव पर बल दिया। उन्होंने एनईपी-2020 का हवाला देते हुए भारतीय कक्षा में विविधता और समावेशी शिक्षाशास्त्र के मुद्दों पर भी रोशनी डाली ।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मजहर आसिफ और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने 'फोरग्राउंडिंग टीचर एजुकेशन' और 'ट्रांसफॉर्मिंग टीचर एजुकेशन' नामक दो संपादित पुस्तकों का विमोचन किया।

विशिष्ट अतिथि, एनसीटीई, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा ने अपने भाषण में भारत में शिक्षक शिक्षा के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डालते हुए एनईपी-2020 के आलोक में शिक्षकों और शिक्षक शिक्षा के महत्व को प्रस्तुत किया। उन्होंने एनईपी 2020 के अंतर्गत आईटीईपी, एनएमएम, एनपीएसटी और आईकेएस के बारे में चर्चा की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, एनआईईपीए, नई दिल्ली की कुलपति प्रो. शशिकला जी. वंजारी ने राष्ट्रीय लोकाचार के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए बहुभाषावाद और राष्ट्रीय एकीकरण के महत्व पर विचार व्यक्त किए ।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मजहर आसिफ ने अपने अध्यक्षीय भाषण में महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक विविधता दिखाने में जामिया की प्रासंगिकता और भारतीय शिक्षा प्रणाली के बारे

में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्रों को आवश्यक कौशल और दक्षताओं से पोषित करने में शिक्षक की भूमिका के बारे में चर्चा की।

उद्घाटन कार्यक्रम का समापन पूर्व विभागाध्यक्ष और सम्मेलन के संयोजक प्रो. अरशद इकराम अहमद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसके उपरांत राष्ट्रगान हुआ। उद्घाटन में सभी संकाय सदस्य, पीएचडी शोधर्थियों , स्नातकोत्तर छात्र, शिक्षा संकाय के कर्मचारी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विभिन्न विभागों और केंद्रों के अध्यक्ष और डीन, और एनआईईपीए के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के विद्वान शामिल हुए।

'नीतिगत परिप्रेक्ष्य के आलोक में शिक्षक शिक्षा को प्रासंगिक बनाना' विषय पर पहला पूर्ण सत्र इग्नू के शिक्षा विद्यापीठ के निदेशक प्रो. सी.बी. शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रो. युक्ति शामरा (डीयू), प्रो. रजनी रंजन सिंह (डीयू), डीडीडॉ डॉ अविला (फिलीपींस) और प्रो. इरफान अहमद रिंद (सोहर विश्वविद्यालय, ओमान) सहित प्रमुख शिक्षक शिक्षकों और शिक्षाविदों का एक विविध पैनल राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विचारोत्तेजक चर्चा में शामिल हुआ ।

पूर्ण सत्र के उपरांत विषयवार समानांतर सत्र शुरू हुए। कुल मिलाकर, 12 शोधपत्र वाले दो वर्चुअल समानांतर सत्र और 24 शोधपत्र प्रस्तुतियों को कवर करने वाले चार फ़ेस टू फ़ेस समानांतर सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन का पहला दिन इन समानांतर सत्रों के साथ समाप्त हुआ, जहाँ विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

इस सुव्यवस्थित कार्यक्रम ने शिक्षक शिक्षा और इससे संबंधित चुनौतियों के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया। इस कार्यक्रम में भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षक, शिक्षाविद, नीति निर्माता और शोधकर्ता एक साथ आए, जिसमें व्यावहारिक विचार-विमर्श, विचारोत्तेजक चर्चाएँ और प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। सम्मेलन ने प्रतिभागियों को सैद्धांतिक दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने, अनुभवजन्य निष्कर्ष प्रस्तुत करने और शिक्षक शिक्षा को परिष्कृत करने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों पर चर्चा करने का मौका प्रदान किया जिससे समकालीन शिक्षा प्रणालियों में एक परिवर्तनकारी शक्ति का निर्माण हो सके।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया